हदीस

#106

ईमानिय्यात

पोस्ट: 02

जन्नत पाने की शर्त

रसूल ﷺ ने इरशाद फ़रमाया:

مَنْ مَاتَ لَا يُشْرِكُ بِاللهِ شَيْئًا دَخَلَ الْجَنَّةَ

जो मरा इस हालत में कि वो शिर्क ना करता था अल्लाह के साथ किसी को वो जन्नत में दाख़िल होगा!

(मुस्लिम: 93)

- अपने ईमान की हिफाजत करते रहिए और ईमान को खराब करने वाले गुनाहों से दूर रहिए! इसलिए के जन्नत में दाखिल होने के लिए ईमान का होना शर्त है!
- यानी ईमान के बगैर जन्नत में दाखिल होना किसी भी सूरत में मुमकिन नहीं है!

UNDERSTAND AL QURAN ACADEMY

To subscribe, please visit:

www.understandquran.com/dailypost

اسم فعل حرف

ईमान की हिफाज़त कैसे करें?

रसूल ﷺ ने इरशाद फ़रमाया:

مَنْ مَاتَ لَا يُشْرِكُ بِاللهِ شَيْئًا دَخَلَ الْجَنَّةَ

जो मरा इस हालत में कि वो शिर्क ना करता था अल्लाह के साथ किसी को वो जन्नत में दाख़िल होगा!

(मुस्लिम: 93)

- अपने ईमान को हर उस काम से बचाइए जो आखिरत में जन्नत से महरूम करने वाला हो।
- दुआ करते रहिए कि ऐ अल्लाह! हमें मुकम्मल ईमान अता फरमा! शिर्क से और हर छोटे बड़े गुनाह से हमारी हिफ़ाज़त फरमा!

UNDERSTAND AL QURAN ACADEMY
To subscribe, please visit:
www.understandquran.com/dailypost

हदीस
#108
ईमानिय्यात
पोस्ट: 04

किस से मदद मांगें? (1)

रसूल ﷺ ने इरशाद फ़रमाया:

और जब तू मदद मांगे	وَإِذَا اسْتَعَنْتَ
तो सिर्फ अल्लाह से मदद मांग!	فَاسْتَعِنْ بِاللهِ

(मुस्लिम: 93)

- कुछ कामों में हमें दूसरों की मदद की ज़रूरत होती है, जैसे हमारी वालेदा का हमारे लिए खाना बनाना, या जैसे हमारे टीचर का हमें इल्म हासिल करने में मदद करना वगैरह।
- लेकिन कुछ काम ऐसे होते हैं कि उनके लिए सिर्फ और सिर्फ अल्लाह ही से मदद मांगना चाहिए, इसलिए कि कोई इंसान उन कामों में मदद नहीं कर सकता, जैसे इबादत की तौफ़ीक़ देना, रिज़्क़ देना, जन्नत में दाखिल करना वगैरह!

UNDERSTAND AL QURAN ACADEMY
To subscribe, please visit:
www.understandquran.com/dailypost

किस से मदद मांगें? (2)

रसूल ﷺ ने इरशाद फ़रमाया:

وَإِذَا اسْتَعَنْتَ	और जब तू मदद मांगे
فَاسْتَعِنْ بِاللهِ	तो सिर्फ अल्लाह से मदद मांग!

(मुस्लिम: 93)|

- याद रखिए कि काम चाहे दुनिया से मुताल्लिक़ हो या आखिरत से, अपने हर काम में हमें अल्लाह तआला की मदद की ज़रूरत होती है। इसलिए कि अगर अल्लाह तआला हमारी मदद न करे तो हम कोई काम नहीं कर सकते!

UNDERSTAND AL QURAN ACADEMY
To subscribe, please visit:
www.understandquran.com/dailypost

किस से मदद मांगें? (3)

रसूल ﷺ ने इरशाद फ़रमाया:

और जब तू मदद मांगे	وَإِذَا اسْتَعَنْتَ
तो सिर्फ अल्लाह से मदद मांग!	فَاسْتَعِنْ بِاللهِ

(मुस्लिम: 93)

- अमल: हर अच्छे काम को करने से पहले अल्लाह तआला से मदद मांगिए, अल्लाह पर मुकम्मल भरोसा रखिए कि अल्लाह ज़रूर आप की मदद करेगा!
- दुआ: ऐ अल्लाह! हमें अपने हर काम के लिए तुझ ही से मदद मांगने वाला बना और हमारे हर काम को अपने फ़ज़्ल से आसान फरमा!

UNDERSTAND AL QURAN ACADEMY
To subscribe, please visit:
www.understandquran.com/dailypost

اسم فعل حرف

जन्नत में क्या होगा? (1)

रसूल ﷺ ने इरशाद फ़रमाया:

مَنْ يَدْخُلُ الْجَنَّةَ يَنْعَمُ لَا يَبْأَسُ

जो शख्स जन्नत में दाख़िल होगा वो नाज़ व नेअम में होगा कभी तंगहाल ना होगा,

(मुस्लिम: 2836)

- दुनिया की ज़िंदगी में इंसान -चाहे नेक हो या बुरा- उसे कभी खुशी मिलती है और कभी ग़म और मुसीबत का सामना करना पड़ता है। बीमारी, परेशानी, किसी की मौत का ग़म वगैरह जैसे दु:ख उसे सहना पड़ता है! लेकिन ये सब चीज़ें दुनिया की हद तक ही हैं!

اسم فعل حرف

जन्नत में क्या होगा? (2)

रसूल ﷺ ने इरशाद फ़रमाया:

مَنْ يَدْخُلُ الْجَنَّةَ يَنْعَمُ لَا يَبْأَسُ

जो शख्स जन्नत में दाख़िल होगा वो नाज़ व नेअम में होगा कभी तंगहाल ना होगा,

(मुस्लिम: 2836)

- मौत के बाद की ज़िंदगी में अल्लाह ने अपने नेक और फ़रमां-बरदार बंदों के लिए जन्नत तैयार कर रखी है जिसमें सिर्फ और सिर्फ़ नेअमतें, आसानियाँ और सहूलतें होंगी, और उसमें किसी भी क़िसम की कोई तकलीफ़, दु:ख, मुसीबत और परेशानी नहीं होगी। जन्नत में ना ही कोई बीमार होगा, ना ही बूढ़ा होगा और ना ही वहां किसी को मौत आएगी!

UNDERSTAND AL QURAN ACADEMY
To subscribe, please visit:
www.understandquran.com/dailypost

اسم فعل حرف

जन्नत में जाने के लिए क्या करें?

रसूल ﷺ ने इरशाद फ़रमाया:

जो शख्स जन्नत में दाख़िल होगा	مَنْ يَدْخُلُ الْجَنَّةَ
वो नाज़ व नेअम में होगा कभी तंगहाल ना होगा,	يَنْعَمُ لَا يَبْأَسُ

(मुस्लिम: 2836)

- जन्नत में जाने के लिए नेक कामों का होना ज़रूरी है; इस लिए ज़्यादा से ज़्यादा नेक काम करते रहिए और बुरे कामों से दूर रहिए!
- दुआ कीजिए कि ऐ अल्लाह! आप हमें नेक काम करने की तौफ़ीक़ आता फरमा! अपने फ़ज़्ल से हमें जन्नत में दाख़िला आता फरमा और जहन्नम से हमारी हिफ़ाज़त फरमा!

UNDERSTAND AL QURAN ACADEMY
To subscribe, please visit:
www.understandquran.com/dailypost

اسم فعل حرف

जन्नत में कौन जायेगा?

रसूल ﷺ ने इरशाद फ़रमाया:

مَنْ أَطَاعَنِيْ دَخَلَ الْجَنَّةَ

जो इताअत करेगा मेरी वो दाख़िल होगा जन्नत में

وَمَنْ عَصَانِيْ فَقَدْ أَبَى

और जो नाफ़रमानी करेगा मेरी तो तहक़ीक़ उस ने इंकार किया!

(बुख़ारी: 7280)

- रसूललुल्लाह ﷺ की सुन्नतों पर पाबंदी से अमल कीजिए और दूसरों को भी उसकी दावत दीजिए।
- अल्लाह तआला फरमाता है: 'जिसने रसूल की इताअत की, उसने अल्लाह की इताअत की!' (सूरह निसा: 80)
- रसूल अल्लाह ﷺ की इताअत का इंकार करने वाला जन्नत से महरूम रहेगा!

UNDERSTAND AL QURAN ACADEMY
To subscribe, please visit:
www.understandquran.com/dailypost